Title: Need to issue a commemorative stamp on the occasion of birth centenary of Shri Yashpal, prominent writer and freedom fighter − Laid.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि0प्र0): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से संचार मंत्री महोदय के ध्यान में लाना चाहता हूं कि प्रेमचंद के बाद हिन्दी जगत के सुप्रतिठित एवं प्रगतिशील कथाकारों में यशपाल का नाम अग्रिम पंक्ति में आता है। जब भी स्वतंत्रता आंदोलन, साहित्य सम्पादन व समाज में शोाण, उत्पीड़न तथा संर्घा की चर्चा होती है, तो यशपाल को भुलाया नहीं जा सकता। हिमाचल प्रदेश के लिए यह गर्व की बात है कि इसने भारत को यशपाल के रूप में एक प्रतिभाशाली साहित्यकार एवं स्वतंत्रता सेनानी दिया।

राद्र की स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए अपने जीवन की सारी सुख सुविधाओं को त्याग कर लोहे के चने चबाते हुए अंगारों के पथ पर चलने वाले ऐसे क्रान्तिकारी साहित्यकारी थे, जिन्होंने अपनी स्वतंत्र चेतना की लौ को जीवन के अंतिम क्षणों तक प्रज्जवलित रखा। यशपाल का जन्म 03.12.1903 में हुआ और 2.12.1976 को स्वर्गवास हुआ। सन् 2003 में इस महान साहित्यकार स्वतंत्रता सेनानी की जन्मशती होगी। मेरा आग्रह है कि इस अवसर पर विशेा स्मारक डाक टिकट प्रकाशित करे।